फकीरों और गरीबों के हुकूक

संपादक- मौलाना जलील अहसन नदवी रह.

बिस्मिल्लाहिर्रहमानिर्रहिम

नोट: यहां जो हुकूक बयान हुए है उनमे मुस्लिम और गैर मुस्लिम बराबर है.

१} तिर्मिजी की रिवायत का खुलासा | रावी अनस रदी.

रसूलुल्लाहﷺ यह दुआ फरमाते थे तरजुमा- ए अल्लाह मुझे गरीब जिन्दा रखिये, मुझे गरीब की हालत में मौत दीजिये और मुझे गरीबो की जमात में उठाए.

हज़रत आईशा रदी ने पूछा ए अल्लाह के रसूल! किस लिए? आपने फरमाया इसलिए कि वे लोग मालदारों से ४० साल पहले जन्नत में दाखिल होंगे. ए आईशा! तुम गरीब को खाली हाथ ना लौटाओ अगरचे खजूर का कोई हिस्सा ही देकर रवाना करो, ए आईशा! तुम गरीबो से मोहब्बत करो और उन्हें अपने करीब करो, बिला शुबा कयामत के दिन अल्लाह तआला तुम्हें अपने करीब करेगा. फकीर व गरीब

लोगों को ज़िडकना सख्त मना है बल्कि उनसे मोहब्बत करनी चाहिए. अधिक मालूमात के लिए पढिये तरजुमा व तफसीर सूरे अद दुहा ९८, आयत १०.

२} तिर्मिजी की रिवायत का खुलासा | रावी अनस रदी.

रसूलुल्लाहﷺ ने फरमाया मुझे अल्लाह तआला की राह में इतना डराया गया है कि किसी और आदमी को इतना नहीं डराया गया होगा, और बिला शुबा मुझे अल्लाह तआला की राह में इस कदर तकलीफ पहुंची है कि इस कदर तकलीफ किसी को नहीं पहुंची होगी, बिला शुबा मुझ पर तीस दिन और राते ऐसी गुजरी है कि मेरे और बिलाल रदी के पास इतना खाना भी ना होता कि जो किसी आदमी की खुराक बन सके अलबत्ता इस कदर जो बिलाल की बगल में आसके. दीने इस्लाम की तब्लीग की खातिर रसूलुल्लाहﷺ को बेशुमार तकलीफो का सामना करना पडा यहां तक्की खाने पीने के लिए भी कुछ नहीं होता था.

३} मुस्लिम की रिवायत का खुलासा | रावी अबू हुरैरा रदी.

रसूलुल्लाहﷺ ने फरमाया अल्लाह कयामत के दिन कहेगा, ए आदम के बेटे मेने तुझ से खाना मांगा था लेकिन तूने नही खिलाया तो वो कहेगा की ए मेरे रब में तुझे क्यों कर खिलाता जबकी तू सब लोगों की परवरिश करने वाला हे?

अल्लाह कहेगा की क्या तुझे खबर नही की तुझ से मेरे फलां बन्दे ने खाना मांगा था लेकिन तूने उसे नही खिलाया? क्या तुझे खबर नही की अगर तू उसको खिलाता तो अपने खिलाए हुवे खाने को मेरे यहां पाता?

ए आदम के बेटे मेने तुझ से पानी मांगा था लेकिन तूने मुझे नही पिलाया तो वो कहेगा ए मेरे रब में तुझे कैसे पिलाता जबकी तू खुद संसार का रब हे?

अल्लाह कहेगा की मेरे फलां बन्दे ने तुझ से पानी मांगा था लेकिन तूने उसे पानी नही पिलाया अगर तू उसको पानी पिला देता तो वो पानी मेरे यहां पाता.

इस हदीस से मालूम हुवा की भूके को खाना खिलाना और प्यासे को पानी पिलाना बडा अजरो सवाब का काम हे और इससे अल्लाह की नजदीकी हासिल होती हे.

४} मिश्कात की रिवायत का खुलासा | रावी अनस रदी.

रसूलुल्लाहﷺ ने फरमाया की बेहतर सदका ये हे की तू किसी भूके को पेट भर खिलाए.

५} मिश्कात की रिवायत का खुलासा.

रसूलुल्लाहﷺ ने फरमाया की मांगने वाले को कुछ देकर वापस करो, अगरचे जली हुई खुर ही क्यों ना हो.
मतलब ये हे की गरीब मोहताज अगर तुम्हारे दरवाज़े पर आये तो उसे खाली हाथ ना लौटाओ, कुछ ना कुछ उसे दे दो, अगरचे वो बहुत ही मामूली चीज़ हो.

६} बुखारी व मुस्लिम की रिवायत का खुलासा.

रसूलुल्लाहﷺ ने फरमाया गरीब वो नही हे जो लोगों के दरवाज़े का चक्कर लगाता हे और एक लुकमा दो लुकमे

और एक खजूर दो खजूर लेकर लौटता हे बल्की गरीब वो हे की जो इतना माल नही रखता की अपनी ज़रूरत पूरी करे और उसकी गरीबी को लोग समझ नही पाते की उसे दान दें और ना ही वो लोगों के सामने खडा होकर हाथ फैलाता हे.

रसूलुल्लाहﷺ ने इस हदीस के जरिये उम्मत को ये हिदायात दी हे की तुम को सबसे ज्यादा तलाश ऐसे गरीबों की होनी चाहिए जो गरीब तो हे लेकिन वो शर्म व शराफत की वजह से अपना हाल लोगों पर जाहिर नही होने देते और गरीबो की तरह चेहरा बनाए नही फिरते और ना ही वो दूसरों के सामने हाथ फैलाते हे ऐसे लोगों को ढूंढ-ढूंढ कर देना बहुत बडी नेकी हे.

७} बुखारी व मुस्लिम की रिवायत का खुलासा | रावी अबू हुरैरा रदी.

रसूलुल्लाहﷺ ने फरमाया विधवाओं और गरीबों के लिए दौड धूप करने वाला उस शख्स की तरह हे जो अल्लाह की

राह में जंग करता हे, और उस शख्स की तरह हे जो रात भर अल्लाह के सामने खडा रहता हे थकता नही, और उस रोज़ादार की तरह हे जो दिन को खाता नही बराबर रोज़े रखता हे.